

to be manufactured in the hundred percent export-oriented complexes or free trade zones.

[F.No.143/19/87—GC.]

Yuvraj Gupta, Director (Gold Control)

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 1988

का. प्रा. 865(अ).—मेरे के, यो. भार. नायर, प्रशासक स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 (1968 का 45) की धारा 9 की उपधारा (2) और धारा 115 की उपधारा (1) के माध्य पहिल, धारा 8 की उपधारा (6) द्वारा प्रदत्त गतिविधियों का प्रयोग करते हुए अपनी यह राय हैं पर कि भारत सरकार के वाइजय मंत्रालय द्वारा प्राप्त और नियंत्रित नीति (1988-91) के भाग 2 के अध्याय 21 के पैरा 323(अ), पर अधिकृति द्वारा में विनियिट विक्रेता परिवर्तनियों और अपात और नियंत्रित गुणवत्ता वाले किए गए आरहीं परिवहन सं. 22/88, तारीख 15-6-1988 द्वारा प्रतिवेदित ग्रन्ति से ग्रान्ति अपेक्षित है, नियंत्रित की, अवधि :

(1) भारतीय बैंक और धातु व्यापार नियम लिमिटेड की नियंत्रित गांधीगांव, —

(i) भारतीय बैंक और धातु व्यापार नियम लिमिटेड, एक स्वाक्षर अधिकारी नियंत्रित कैटटोर प्रबोर, रानी ग्रासां रोड, नई दिल्ली-110055.

(ii) भारतीय बैंक और धातु व्यापार नियम लिमिटेड, गांधीगांव प्रोटोकॉल, नियंत्रित प्रमाणकार गौम, अंडरी (पूर्वी) मुमर्री, —

(क) को, प्राप्तिवाले स्वर्ण, स्वर्ण मध्यवर्तियों और संघटकों को जिनके अंतर्गत स्वर्ण विनियोगी रैट स्वर्ण, रुजित स्वर्ण और 0.995, या शुद्धता और उपर्योग कम की अंतिमियों को अंतिम करने, प्रतिग्रहीत करने या अन्यथा प्राप्त करने के लिए,

(ख) ऐसे स्वर्ण को गतप्रतिगत नियंत्रित व्यापार जीवों में प्रनुक्ति औहारी का विक्रय करने, परिवहन पर्याम अन्तरित करने या अन्यथा उपयोग करने के लिए,

(2) मद (1) (ख) में लियिट प्रनुक्ति व्याहारी को, भारतीय बैंक और धातु व्यापार नियम लिमिटेड का पूर्ववित दोनों शासांगों द्वारा इस प्रकार देख गए ऐसे स्वर्ण को अंतिम करने, प्रतिग्रहीत करने या अन्यथा प्राप्त करने के लिए, प्राधिकृत करता है :

परन्तु अनुकूल औहारी ऐसे स्वर्ण किसी प्रथम प्रनुक्ति व्याहारी को नहीं देखता या अन्यथा व्यापार नहीं करता किसी —

(क) ऐसे स्वर्ण का गतप्रतिगत नियंत्रित व्यापार जीवों के परिवर्ती के अंतर अभियांत्रों या वस्तुओं या दोनों के बनाम, विनियोग करने या तैयार करने के व्योगम के लिए नियंत्रित किसी प्रमाणित स्वर्णकार को परिवहन या अन्तरित कर सकता,

(ख) ऐसे स्वर्ण की गतप्रतिगत नियंत्रित प्रमाणित स्वर्ण व्यापार जीवों के परिवर्ती के अंतर अभियांत्रों या वस्तुओं या दोनों के बनाम, विनियोग करने या तैयार करने के व्योगम के लिए नियंत्रित किसी प्रमाणित स्वर्णकार को परिवहन या अन्तरित कर सकता ।

[का. सं. 143/19/87-यी सी]

के. यो. भार. नायर, स्वर्ण विवरण प्रशासक

New Delhi, the 14th September, 1988

S.O.865 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 8, read with sub-section (2) of section 9 and sub-section (1) of section 115, of

the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), I, K.V.R. Nair, Administrator, being of the opinion that the special circumstances specified in the Scheme notified by the Government of India in the Ministry of Commerce in Para 323 (A) of Chapter XXI of Part II of the Import and Export Policy (1988-91) and the procedures stipulated vide REP circular No. 22/88, dated the 15th June, 1988 issued by the Chief Controller of Imports and Exports, so require, hereby authorise, —

(1) The following branches of the Minerals and Metals Trading Corporation of India Ltd. —

(i) The Minerals and Metals Trading Corporation of India Ltd., F Block, Jhandewalan Flatted Factories Complex, Rani Jhansi Road, New Delhi-110055;

(ii) The Minerals and Metals Trading Corporation of India Ltd., Santacruz Electronic Export Processing Zone, Andheri (East), Bombay-400096.—

(a) To acquire, accept, or otherwise receive primary gold, gold intermediates and components, including gold alloys' carat gold, coloured gold and findings of 0.995 fineness and below;

(b) to sell, deliver, transfer or otherwise dispose of such gold to licensee dealer in the hundred percent export oriented complexes or free trade zones;

(2) The licenced dealers referred to in item (1) (b) to acquire, accept or otherwise receive such gold so sold by the aforesaid two branches of the Minerals and Metals Trading Corporation of India Ltd.:

Provided that the licenced dealer shall not sell or otherwise dispose of such gold to any other licenced dealer but may —

(a) Use such gold in the making, manufacturing or preparing of ornaments or articles or both within the premises of the hundred percent export oriented complexes or free trade zones;

(b) Deliver or transfer such gold to a certified goldsmith employed for the purpose of making, manufacturing or preparing of ornaments or articles or both within the premises of the hundred percent export oriented complexes or free trade zones.

[F.No.143/19/87—GC.]
K.V.R. Nair, Gold Control Administrator

HO/1/2/81



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 468) नई दिल्ली, शुक्रवार, 16, 1988/माह 25, 1910
No. 468) NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 16, 1988/BHADRA 25, 1910

इस भाग में निम्न पात्र संहिता दी जाती है जिससे यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1988

अधिसूचना

(खबड़ नियंत्रण)

का. आ. 866(अ) :—केन्द्रीय सरकार, खबड़ नियम, 1955 के नियम 4 के उप-
नियम (1) के साथ के पठित, खबड़ अधिनियम, 1947 (1947 का 24) की धारा 4
की उपधारा (3) के खंड (इ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह अधिसूचित